दैनिक भास्कर 5/12/2019

डीएवीवी: महिला प्रोफेसर के एक करोड़ के प्रोजेक्ट को यूजीसी ने दी मंजूरी

भास्कर संवाददाता | इंदौर

देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स की महिला प्रोफेसर के एक बड़े प्रोजेक्ट को यूजीसी ने मंजूरी दी है। देशभर की 800 से ज्यादा यूनिवर्सिटी में से महज 16 के प्रोजेक्ट मंजूर हुए हैं। इनमें मध्य प्रदेश की दो यूनिवर्सिटी के प्रोजेक्ट मंजूर किए गए हैं, इसमें महू की अंबेडकर यूनिवर्सिटी भी शामिल है। इस प्रोजेक्ट में एक करोड़ रुपए की ग्रांट मिलेगी। खास बात यह है कि 15 दिन के भीतर ही डीएवीवी को यह तीसरी बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। पहले उसे नैक से ए प्लस ग्रेड मिली। फिर महिला प्रोफेसर डॉ. वृंदा टोकेकर के एक प्रोजेक्ट का पेटेंट स्वीकृत हुआ। अब तीसरी बड़ी उपलब्धि में इकोनॉमिक्स विभाग की महिला प्रोफेसर डॉ. विशाखा कुटुंबले को मिली है। उन्होंने ही यह रिसर्च प्रस्ताव बनाकर यूजीसी को भेजा था। उन्होंने दिल्ली में प्रेजेंटेशन भी दिया था। यूजीसी ने देशभर की युवा फैकल्टी में रिसर्च के प्रति रुझान बढ़ाने के लिए यह पहल की है।

भास्कर एक्सपर्ट

डॉ. माया इंगले
डायरेक्टर कौशल विकास केंद्र

शॉर्ट टर्म कोर्स दे रहे पार्ट टाइम जॉब और स्टार्टअप शुरू करने का मौका

देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी सहित देशभर की स्टेट यूनिवर्सिटी में शुरू हुए शॉर्ट टर्म कोर्सेस से न केवल छात्रों को पढ़ाई के साथ-साथ पार्ट टाइम जॉब मिल रहे हैं, बल्कि कई छात्र स्टार्टअप भी शुरू कर रहे हैं। डीएवीवी में ही अब तक 20 शॉर्ट टर्म कोर्सेस में 1100 छात्र हिस्सा ले चुके हैं। इनमें 15 फीसदी को तो पार्ट टाइम जॉब तक मिल गया, जबकि वेबसाइट डिजाइनिंग जैसे कोर्स के छात्रों ने तो स्टार्टअप शुरू कर दिया है। देशभर में 15 दिन से 45 दिन के शॉर्ट टर्म कोर्स चल रहे हैं। इनमें जीएसटी की शीट बनाना, टेली, मोबाइल सुधारने सहित अन्य स्किल ओरिएंटेड नॉलेज शामिल हैं। इन कोर्सेस में इंडस्ट्री से जुड़े लोगों को ही विशेषज्ञ के तौर पर बुलाना अनिवार्य होता है। खासियत यह है कि कोर्स पूरा होते-होते ही इंडस्ट्री के विशेषज्ञ कुछ छात्रों का चयन कर पार्ट टाइम या फुल टाइम जॉब ऑफर कर देते हैं। हर स्टेट यूनिवर्सिटी इन कोर्सेस को ज्यादा से ज्यादा संख्या में चला रही है। न्यूनतम फीस पर चलने वाले इन कोर्स में वर्तमान और पास आउट छात्र तो शामिल होते ही हैं, अन्य कोई भी व्यक्ति शामिल होता है। यूनिवर्सिटी इन छात्रों को सर्टिफिकेट भी जारी करती है।

एग्जाम ऑटोमेशन में मदद करेगा आरजीपीवी, डीएवीवी को भी मिलेगा सॉफ्टवेयर

भास्कर संवाददाता | इंदौर

देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी सहित प्रदेश की सारी स्टेट यूनिवर्सिटी में एग्जाम सिस्टम के ऑटोमेशन में अब राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) सहयोग करेगा। आरजीपीवी के पास एग्जाम ऑटोमेशन का जो सॉफ्टवेयर है, उसे वह अन्य यूनिवर्सिटी को भी अपनी तरफ से उपलब्ध कराएगा। इसके बाद यूनिवर्सिटी अपने-अपने हिसाब से उसमें बदलाव करेगी। बुधवार को भोपाल में कुलाधिपति की मौजूदगी में चर्चा हुई। यह भी तय किया गया कि सारी यूनिवर्सिटी अहम चीजें एक दूसरे से शेयर करेंगी। इनमें लाइब्रेरी में रखा कंटेंट अहम होगा। इसके अलावा आरजीपीवी जो सॉफ्टवेयर देगा, उसके लिए सभी यूनिवर्सिटी को एमओयू करना होगा। प्रदेश की ज्यादातर यूनिवर्सिटी में एग्जामिनेशन सिस्टम का ऑटोमेशन नहीं हुआ है। ऐसे में अगर आरजीपीवी अपना सॉफ्टवेयर उपलब्ध कराता है तो यह महत्वपूर्ण पहल है। बैठक में डीएवीवी की कुलपति प्रो. रेणु जैन भी थीं।

डीएवीवी के ऑटोमेशन की चर्चा 2007 से है। एक बड़ी मल्टीनेशनल कंपनी के साथ टाइअप भी हुआ था, लेकिन कभी प्रोजेक्ट पर काम शुरू नहीं हुआ। इसके बाद कई बार अलग-अलग कंपनियों के प्रेजेंटेशन भी हुए। इस प्रोजेक्ट के लागू होने के बाद यूनिवर्सिटी में सारी परीक्षाएं और रिजल्ट की प्रक्रिया पूरी तरह से ऑटोमैटिक हो जाएंगी।

DEVI AHILYA VISHWAVIDYALAYA, INDORE
NAAC ACCREDITED 'A+' GRADE UNIVERSITY

ADMISSION NOTICE FOR M.Phil./Ph.D.

Online applications for admission in M.Phil./Ph.D. were allowed till July 10, 2019.

Now the entrance examination for admission in M.Phil./Ph.D. is scheduled on Dec. 22, 2019. Seeing the demand from the aspirants link for submission of online applications is again being opened for a week i.e. Dec. 4-10, 2019. Application form should be submitted through MPOnline: **https://davv.mponline.gov.in**. The aspirants who have already applied need not to apply again. Other details including subjects, application fee etc. are available on our website : **https://www.dauniv.ac.in/det**

M.P. Madhyam/96045/2019 **REGISTRAR**